दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र 2020 - 2021

आधारशिला अभ्यास कार्य पत्र - 2

विषय - हिंदी **कक्षा - नवीं**

अपठित अंश

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

भारतीय समाज की जब बात की जाती है, तो यह सामने आता है कि यहाँ ऐसे अनेक अंधविश्वास दिखाई देते हैं जिनके कारण भारतीयों को व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। हमारे समाज के अनेक विश्वास जीवन की गतिशीलता के साथ ना चलने के कारण पंगु हो गए हैं। अंधविश्वासों से चिपके हुए भारतीय दुख कलेश को भोग रहे हैं। इन अंधविश्वासों में धर्म की रूढ़ियाँ, जादू टोने में विश्वास, देवी-देवताओं के प्रति अधिक श्रद्धा और अन्य सामाजिक कुरीतियां हैं। इन सबके कारण वैज्ञानिक युग में भी भारत उतनी प्रगति नहीं कर रहा, जितनी करनी चाहिए। भारतीय हिंदू समाज का सबसे बड़ा अंधविश्वास छुआछूत का विश्वास है। कुछ जातियों को अस्पृश्य मानकर उनका बहिष्कार करना, उनके साथ भोजन न करना, साथ उठना-बैठना निषेध समझना अत्यंत ही घृणित कार्य हैं। इससे हमारा संपूर्ण समाज खोखला हो गया है। भारतीय समाज का एक काफी बड़ा वर्ग जादू टोने में विश्वास रखता था। यद्यपि अब समझदारी के बढ़ने से उसकी ओर कम ध्यान दिया जाता है, लेकिन आज भी यह कहीं-कहीं जीवित रहकर हमारे समाज को कमजोर कर रहा है। देवी-देवताओं का नाम लेकर चड़ाई जाने वाली बलि भी कई जगहों पर देखी जा सकती है। बिल्ली का रास्ता काटना, पीछे से आवाज देना, चलते हुए अंधेरा हो जाना आदि ऐसे अपशगुन माने गए हैं, जिसके कारण लोग अपने महत्वपूर्ण काम तक रोक देते हैं। हमारे समाज में सबसे बड़ा अंधविश्वास परंपराओं के प्रति अंधभक्ति हैं। हम आज भी उन बातों से जुड़े हुए हैं, जो इस युग में व्यावहारिक हो गई हैं। परंपराओं की आसक्ति से हमारा विकास रुक गया है। आवश्यकता है हमारे भीतर जागृति की और धर्म के वास्तविक रूप को समझकर उसका आचरण कर प्रगति की ओर बढ़ने की।

1. आज वैज्ञानिक युग में भी भारत प्रगति क्यों नहीं कर पा रहा है ?
2. लोग अपना महत्वपूर्ण काम क्यों छोड़ देते हैं ?
3. भारत की प्रगति के लिए आज किस चीज की सबसे ज्यादा आवश्यकता है?
4. भारतीय समाज की चर्चा करने पर सबसे पहले कौन सी बात सामने आती है?
5. अंधविश्वास के रूप में कौन सी सामाजिक कुरीतियां हमें खोखला कर रही हैं ?
6. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।

संवाद-लेखन

दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच हुए वार्तालाप या सम्भाषण को संवाद कहते हैं। **दूसरे शब्दों में-** दो व्यक्तियों की बातचीत को 'वार्तालाप' अथवा 'संवाद' कहते हैं।

संवाद का सामान्य अर्थ बातचीत है। इसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति भाग लेते है। अपने विचारों और भावों को व्यक्त करने के लिए संवाद की सहायता ली जाती है। जो संवाद जितना सजीव, सामाजिक और रोचक होगा, वह उतना ही अधिक आकर्षक होगा। उसके प्रति लोगों का खिंचाव होगा। अच्छी बातें कौन सुनना नहीं चाहता ? इसमें कोई भी व्यक्ति अपने विचार सरल ढंग से व्यक्त करने का अभ्यास कर सकता है। इसमें रोचकता, प्रवाह और स्वाभाविकता होनी चाहिए। व्यक्ति, वातावरण और स्थान के अनुसार इसकी भाषा ऐसी होनी चाहिए जो हर तरह से सरल हो। इतना ही नहीं, वार्तालाप संक्षिप्त और मुहावरेदार भी होना चाहिए।

अच्छी संवाद-रचना के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-

(1) संवाद छोटे, सहज तथा स्वाभाविक हों।

(2) संवादों में रोचकता एवं सरसता हो।

(3) इनकी भाषा सरल, स्वाभाविक और बोलचाल के निकट हो। उसमें क्लिष्ट तथा अप्रचलित शब्दों का प्रयोग न हो।

(4) संवाद पात्रों की सामाजिक स्थिति के अनुकूल हों। अनपढ़ या ग्रामीण पात्रों और शिक्षित पात्रों के संवादों में अंतर रहना चाहिए।

(5) संवाद जिस विषय या स्थिति के सम्बन्ध में हों, उसे क्रमशः स्पष्ट करने वाले हों।

(6) प्रसंग के अनुसार संवादों में व्यंग्यविनोद का समावेश होना चाहिए।-

(7) यथास्थान मुहावरों तथा लोकोक्तियों के प्रयोग से संवादों में सजीवता आ जाती है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित विषयों पर संवाद लिखिए -

1. शिक्षा के प्रति सचेत होते हुए पिता और पुत्र में संवाद लेखन कीजिए ।
2. "जीवन में स्वच्छता" के महत्व पर माँ और पुत्र के बीच में संवाद लेखन कीजिए।

विज्ञापन

विज्ञापन ऐसी कला है, जिसके द्वारा थोड़े-से स्थान एवं कम शब्दों में आवश्यक बातें आकर्षक ढंग से दी जाती हैं। इसका उद्देश्य सर्वसाधारण को सूचित करना होता है। इसके द्वारा क्रय-विक्रय, आवश्यकता, किसी गुम या प्राप्त वस्तु, किराए के लिए दातव्य या प्राप्तव्य मकान आदि की सूचना दी जाती है। विज्ञापन संक्षिप्त, परन्तु आकर्षक होना चाहिए।

नोट - विज्ञापन की रचना करते समय रंगों का प्रयोग पूरी तरह से वर्जित है अर्थात् रंगों का प्रयोग इसमें नहीं होना चाहिए। पूछे गए विषय की उपयोगिता पर 25 से 30 शब्द लिखे जाने चाहिए।

प्रश्न 3 निम्नलिखित विषय पर विज्ञापन तैयार कीजिए -

1. "गंगोत्री" बोतल बंद पानी का विज्ञापन तैयार कीजिए।
2. ऊर्जा मंत्रालय द्वारा "बिजली बचाएँ अंधकार मिटाएँ" विषय पर विज्ञापन तैयार कीजिए।

अनुच्छेद लेखन

किसी एक भाव या विचार को व्यक्त करने के लिए लिखे गये सम्बद्ध और लघु वाक्य-समूह को अनुच्छेद लेखन कहते हैं।

दूसरे शब्दों में - किसी घटना, दृश्य अथवा विषय को संक्षिप्त किन्तु सारगर्भित ढंग से जिस लेखन-शैली में प्रस्तुत किया जाता है, उसे अनुच्छेद-लेखन कहते हैं।

'अनुच्छेद' शब्द अंग्रेजी भाषा के 'Paragraph' शब्द का हिंदी पर्याय है। अनुच्छेद 'निबंध' का संक्षिप्त रूप होता है। इसमें किसी विषय के किसी एक पक्ष पर 80-100 शब्दों में अपने विचार व्यक्त किए जाते हैं। अनुच्छेद में हर वाक्य मूल विषय से जुड़ा रहता है। अनावश्यक विस्तार के लिए उसमें कोई स्थान नहीं होता। अनुच्छेद की भाषा-शैली सजीव एवं प्रभावशाली होनी चाहिए। शब्दों के सही चयन के साथ लोकोक्तियों एवं मुहावरों के समुचित प्रयोग से ही भाषा-शैली में उपर्युक्त गुण आ सकते हैं।

अनुच्छेद लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए :

(1) अनुच्छेद लिखने से पहले रूपरेखा, संकेत-बिंदु आदि बनानी चाहिए।
(2) अनुच्छेद में विषय के किसी एक ही पक्ष का वर्णन करें।
(3) भाषा सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली होनी चाहिए।
(4) एक ही बात को बार-बार न दोहराएँ।
(5) अनावश्यक विस्तार से बचें, लेकिन विषय से न हटें।
(6) शब्द-सीमा को ध्यान में रखकर ही अनुच्छेद लिखें।
(7) पूरे अनुच्छेद में एकरूपता होनी चाहिए।
(8) विषय से संबंधित सूक्ति अथवा कविता की पंक्तियों का प्रयोग भी कर सकते हैं।

प्रश्न 4 निम्नलिखित विषयों पर अनुच्छेद लिखिए -

1. राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान

   संकेत बिंदु -

   राष्ट्र का भविष्य, राष्ट्र निर्माण से आशय, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका , राह से भटके युवा, राष्ट्र की चिंता

2. पुस्तकालय का महत्व

   संकेत बिंदु -

   पुस्तकालय का अर्थ, पुस्तकालय के लाभ, वहाँ के नियम, उनका उपयोग

3. समय का सदुपयोग

संकेत बिंदु -

समय का महत्व, समय की सही पहचान, समय की उपयोगिता, जीवन का मूल मंत्र

चित्र वर्णन

प्रश्न 5 निम्नलिखित चित्रों का वर्णन कीजिए -